महाविपदा घटाव पर युवकों के द्वारा वाकायामा (शपथपूर्वक) घोषणा

महाविपदा घटाव पर शिक्षा के लिए संगठित एशिया / पसिविक युवक मंच , वाकायामा प्रान्तीय शैक्षणिक समिति , युनस्को के लिए कार्यरत्त एशिया / पसिविक सांस्कृतिक केन्द्र (ए .सी .सी . यू) और इनामुरा - ना - ही समिति के द्वारा जापान में स्थित वाकायामा में महाविपदा घटाव का युवक शीर्ष - सम्मेलन आयोजित किया गया है।उस शीर्ष - सम्मेलन में भाग लिए हम , बहुदेशीय युवक प्रतिनिधि २ नवम्बर २००६ में निम्नलिखित घोषणा (शपथपूर्वक) करते हैं ।

१. अप्रत्याशित महाविपदाएँ घटती रहती हैं , फिर भी सहयोग तथा तैयारी के द्वारा उनका प्रभाव घटा दिया जा सकता है ।

२. महाविपदाओं से मुक्त होना मानव का मूल अधिकार है ।

३. महाविपदाओं को कम करना हमारा उत्तरदायित्व है ।

४. महाविपदाओं के घटन के पहले उनके बारे में जागृति तथा प्रभावी तैयारी अत्यावश्यक है ।

५. यह आवश्यक है कि हम पूर्व - प्राप्त अनुभवों से अर्जित ज्ञान , परम्परागत ज्ञान एवं अनुसंधान से प्राप्त ज्ञान की जानकारियों का संग्रह करें तथा उन जानकारियों का आदान - प्रदान भी इस दुनिया से करें ।

६. दुनिया भर में हो रहे महाविपदाओं का प्रभाव कम करने तथा रोकने के लिए पर्यावरण का संरक्षण आवश्यक है ।

७. मनुष्यों के प्राणों की क्षति कम करने के लिए वातावरण एवं सम्पत्ति को होनेवाले नुकसान कम करने के लिए तथा उन प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए , महाविपदा घटाव की शिक्षा आवश्यक है ।

८. महाविपदाओं के घटाव की शिक्षा , हमारी शिक्षण प्रणालियों का महत्त्वपूर्ण अंग बननी चाहिए ।यह शिक्षा स्कूल के बच्चों तथा अन्य बच्चों को भी प्राप्त होनी चाहिए ।

९. महाविपदाओं को कम करने में सब लोगों को समर्थ बनाना चाहिए , खासकर बच्चों को , वृद्धों को तथा अपाहिजों को ।

१०. महाविपदाओं पर लेनेवाली तत्काल प्रतिक्रिया का लाभ उन सब लोगों की पहुँच में आना चाहिए जो महाविपदाओं से प्रभावित हैं ।

११. प्रभावित लोगों के जीवन को सामान्य स्थिति पर ले आने के लिए पुनस्थिति की स्थापना तथा पुनर्निर्माण का कार्य अनिवार्य हैं । तथा भविष्य में उन जन समूहों पर घटनेवाली महाविपदाओं का सामना करने की तैयारी एवं उनका पुनर्घटन भी अनिवार्य है ।

१२. महाविपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए सुरक्षित बुनियादी संरचनाएँ जैसे तटबन्धन का निर्माण करना , सुनामी पूर्व चेतावनी देनेवाले यन्त्रों को लगाना , प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान करना , आदि हमारे प्राधिकरणों के द्वारा प्रदान किए जाना चाहिए ।

१३. एक शान्तिपूर्वक तथा सुरक्षित दुनिया सब लोगों के लिए अनिवार्य है ।

१४. हम एशिया के नवयुवक यह आह्वान करते हैं कि हमारी सरकारें , संयुक्त - राष्ट्र , गैर सरकारी संगठन (एन . जी . ओ) , अन्य समूह तथा दुनिया के सब नवयुवक हमारी घोषणा स्वीकार करें तथा महाविपदाओं को कम करने के लिए तैयारी एवं शिक्षा प्रदान करने पर जो सुझाव हमने दिए हैं उनके क्रियान्वयन में हमारे हाथ में हाथ मिलाकर अपना सहयोग प्रदान करें ।